सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 144 | अप्रैल : 2022

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 आर्थिक घटना संग्रह

- केन्द्रीय वित्त मंत्री ने संसद में पेश की आर्थिक समीक्षा 2021-22
- केन्द्रीय वित्त मंत्री ने संसद में पेश किया केन्द्रीय बजट 2022-23
- विश्व में आरबीआई सोने का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार
- भारत में FDI प्रवाह 2021 में 26 प्रतिशत घटा

23 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- पीएम ने एशिया के सबसे बड़े बायो CNG प्लांट का इंदौर में किया शुभारम्भ
- भारत ने विदेशी ड्रोन के आयात पर प्रतिबंध लगाया
- आधुनिक तकनीकों पर आधारित रक्षा भूमि सर्वेक्षण
- भारत के चारों ओर बढ़ रही समुद्री हीटवेव
- भारत COVID-19 डीएनए वैक्सीन लगाने वाला पहला देश बना

26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- रूस ने किया यूक्रेन पर हमला, 150 से अधिक की मौत
- फ्रांस ने 9 वर्ष बाद माली से सैन्य वापसी की घोषणा की
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तम्बाकू छोड़ो ऐप लॉन्च किया
- कनाडा के प्रधानमंत्री ने पहली बार आपातकालीन अधिनियम लागू किया
- भारत और आस्ट्रेलिया के बीच चौथा ऊर्जा संवाद

29 खेल खिलाड़ी

- बीजिंग में शीतकालीन ओलम्पिक खेल 2022 का समापन
- भारत रिकॉर्ड पाँचवीं बार आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप चैम्पियन बना
- 'वर्ल्ड जायंट्स' ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2022 जीता
- चेल्सी ने 2021 का फीफा क्लब विश्व कप जीता

33 विज्ञान समाचार

34 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

36 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

39 **मौद्रिक लेख**—डिजिटल करेंसी अन्य वर्चुअल करेंसी से अलग कैसे ?

40 **प्रदूषण-निस्तारण लेख**—महामारी से उपजता चिंताजनक मेडिकल कचरा

41 **तकनीकी लेख**—ब्लॉकचेन तकनीक : आधुनिक युग की आवश्यकता

43 **नारी अधिकार लेख**—महिला सशक्तीकरण की बाधाएं

78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

80 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-141 का परिणाम**

82 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

44 आर.आर.बी. एनटीपीसी परीक्षा, 2021

52 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल (टियर-I) परीक्षा, 2020

60 राजस्थान पटवार सीधी भर्ती परीक्षा, 2021

मॉडल हल

73 आगामी उत्तराखण्ड पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस :	1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005	फोन–2531101, 2530966
दिल्ली ऑफिस	: 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002	फोन–011-23251844, 43259035
पटना ऑफिस	: पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004	मो–09334137572
हैदराबाद ऑफिस	: 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना)	मो–09391487283
हल्द्वानी ऑफिस	: 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)	मो–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

देश को विनाश और विघटन से बचाइए

"इस राष्ट्र को ऐसे नेताओं की आवश्यकता है, जो जानते हैं कि इस देश की आवश्यकताएं क्या हैं ?"

सन् 1947 में जब ब्रिटेन की पार्लियामेण्ट में भारत स्वतन्त्रता बिल (Indian Independence Bill) पर बहस हो रही थी, तब श्री विंस्टन चर्चिल (ब्रिटेन के प्रधानमन्त्री) ने जो भाषण किया था, उसका एक अंश इस प्रकार है–"स्वतन्त्रता मनुष्य का पैदायशी हक है, लेकिन इस समय सरकार की बागडोर कांग्रेस के हाथों में देने का मतलब है लाखों-करोड़ों भूखे लोगों की तकदीर बेईमानों, बदमाशों और लुटेरों के हाथों में सौंपना. एक बोतल पानी या रोटी का टुकड़ा भी टैक्स से नहीं बच पाएगा. केवल हवा ही मुफ्त होगी और लाखों भूखे मनुष्यों का खून श्री एटली पर होगा. आज़ाद हिन्दुस्तान राजनीतिक झगड़ों, फसादों में खो जाएगा. उनके लिए तत्व ज्ञान या राजनीति के सिद्धान्तों को समझने में हज़ारों वर्ष लग जाएंगे."

उस समय श्री चर्चिल का उक्त कथन कितना कटु एवं अप्रिय लगा होगा, इसकी कल्पना वे लोग सहज ही कर सकते हैं, जो जानते हैं कि स्वतन्त्रता प्राप्ति के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और उसके नेताओं के लिए भारतीय जन-मन में कितना पूज्य भाव था, परन्तु आज उक्त कथन अप्रिय सत्य के रूप में हमारे सामने प्रस्तुत है. श्री चर्चिल न भविष्य द्रष्टा थे और न भविष्य वक्ता, परन्तु यह स्वीकार करना पड़ेगा कि उन्हें भारत में भविष्य में घटित होने वाली घटनाओं की कितनी सशक्त पहचान थी, इण्डिया दैट इज भारत को परखने की उन्हें गजब की क्षमता प्राप्त थी. तब हम लोगों ने चर्चिल के कथन को एक साम्राज्यवादी की खीझ माना था, तब माना गया था कि सोने की चिड़िया के यों आज़ाद हो जाने पर वह अवसन्न मन की झुँझलाहट है. भगवान करता कि ऐसा ही होता, परन्तु ऐसा नहीं हुआ.

सम्भवतः महात्मा गांधी भी श्री चर्चिल की तरह ही सोच रहे होंगे. उन्होंने कहा था कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को लोक-सेवा-दल के रूप में परिवर्तित कर देना चाहिए, क्योंकि जिस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कांग्रेस की स्थापना हुई थी, वह पूरा हो गया है, परन्तु ऐसा भी नहीं हो सका.

सन् 1947 में स्वतन्त्रता-प्राप्ति के अवसर पर देश में अभूतपूर्व उत्साह, उल्लास एवं आनन्दातिरेक का वातावरण था. स्वराज्य का सुराज हमें समस्त उत्पीड़न, शोषण एवं कुंठाओं से मुक्त कर देगा–ऐसा सोचा था सामान्यतः प्रत्येक भारतवासी के हृदय सम्प्रभुता सम्पन्न गणतंत्र राज्य की घोषणा ने पूर्ण स्वतन्त्रता के स्वप्न जगाए थे ... आदि, परन्तु जाग्रतावस्था का उदय होने के पूर्व ही समस्त स्वप्न ध्वस्त होने लगे. जयपुर में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन में ही केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल के स्तर तक पर भ्रष्टाचार का मुद्दा–छाया रहा. विडम्बना यह रही कि भ्रष्टाचारी मंत्रियों की भर्त्सना हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाले मध्य प्रदेश के निवासी श्री मिश्र को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) से निष्कासित करके मानो भ्रष्टाचार को खुली छूट दे दी गई. नित्य होने वाले घोटाले सामान्य घटनाएँ बन गई हैं. भ्रष्टाचार करके बैंक खाता मोटा न करने वाला व्यक्ति मूर्ख, युग-धर्म से अपरिचित एवं हास्यास्पद समझा जाता है. ग़रीबी अभिशाप तो है ही और जब व्यक्ति स्वयं उसके लिए उत्तरदायी हो, तो वह सभ्य समाज से बहिष्कृत हो ही जाना चाहिए.